

66.18

पञ्चावली में श्रीलाल व श्री. श्रीलाल
को बंदे वार कावाप पिलाने जपे वार-
वार कावाप दिवंगत के बालपुत्र को दे
उप. गदी। अथ. श्रीलाल श्रीलाल व श्री-
श्रीलाल की जोर को पूजा में अर्पण हाजरी
व अर्पण जेम्सी में अर्पण की मालीये पञ्चावली
वदि लक्ष्मी व लक्ष्मी व लक्ष्मी